www.rojgarsamachar.gov.in
www.employmentnews.gov.in

अंग्रेजी एवं उर्दू में भी प्रकाशित
वार्षिक शुल्क : ₹ 530

सत्यमेव जयते

रोज़गार समाचार
साप्ताहिक

सभी को अवसर
OPPORTUNITIES FOR ALL

खंड 44 अंक 48 पृष्ठ 32 | नई दिल्ली 29 फरवरी - 6 मार्च 2020 | ₹ 12.00

इग्नू : शिक्षार्थी- केंद्रित दूरस्थ शिक्षा प्रदाता

डॉ. विकास सिंघल एवं डॉ. रंजीता पांडा

संसद के एक अधिनियम द्वारा 1985 में स्थापित इंदिरा गांधी राष्ट्रीय खुला विश्वविद्यालय (इग्नू) ने समग्र शिक्षा के माध्यम से एक समग्र ज्ञान समाज का निर्माण करने के निरंतर प्रयास किए हैं. देश भर में क्षेत्रीय केन्द्रों और लर्नर्स सपोर्ट सेंटर्स के अपने व्यापक नेटवर्क के माध्यम से खुली एवं दूरस्थ शिक्षण (ओडीएल) पद्धति द्वारा उच्च कोटि का अध्यापन प्रस्तुत करके सकल पंजीकरण अनुपात (जीईआर) में वृद्धि करने में इसका व्यापक योगदान है.

विश्वविद्यालय का अधिदेश, विजन एवं मिशन

इग्नू 1987 में 4528 छात्र संख्या के साथ दो शैक्षिक कार्यक्रम अर्थात प्रबंधन में डिप्लोमा (डीआईएम) और दूरस्थ शिक्षा में डिप्लोमा (डीडीई) प्रारंभ किए. आज, यह भारत और अन्य देशों में 3 मिलियन से अधिक छात्रों की शैक्षिक आकांक्षाओं को पूरा करता है. समाज के सभी वर्गों के लिए उच्चतर शिक्षा को सुलभ बनाना, विभिन्न स्तरों पर उच्च गुणवत्ता, नवप्रवर्तित एवं आवश्यकता-आधारित कार्यक्रम चलाना, देश के सभी भागों में सस्ती लागत पर कार्यक्रम प्रस्तुत करके वंचितों तक पहुंच बनाना, और देश में खुली तथा दूरस्थ शिक्षण के माध्यम से प्रस्तुत शिक्षा के मानकों को बढ़ावा देना, समन्वय लाना और नियमित करना विश्वविद्यालय का अधिदेश है. इग्नू का विजन इस प्रकार है : ''इंदिरा गांधी राष्ट्रीय खुला विश्वविद्यालय, खुले एवं दूरस्थ शिक्षण का राष्ट्रीय संसाधन केन्द्र, अंतर्राष्ट्रीय मान्यता एवं उपस्थिति के साथ, सतत एवं शिक्षार्थी-केंद्रक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक निर्बाध पहुंच, नवप्रवर्तित प्रौद्योगिकियों और प्रणाली विज्ञान का उपयोग करके और एकीकृत राष्ट्रीय विकास तथा वैश्विक समझ के लिए अपेक्षित व्यापक मानक संसाधन विकास हेतु वर्तमान प्रणालियों में समानता सुनिश्चित करके सभी शिक्षा उन्नयन तथा प्रशिक्षण प्रदान करेगा.'

सतत् खुली एवं दूरस्थ शिक्षण प्रणालियों के माध्यम से ज्ञान के अग्रणी क्षेत्रों को उन्नत करने और इसके प्रचार-प्रसार को बढ़ावा देने, अब तक वंचितों सहित सभी-जिनमें से भावी लीडर एवं नवप्रवर्तक उभर कर सामने आएंगे, हेतु इसे निर्बाध रूप से सुगम बनाने के लिए विश्वविद्यालय :

- उच्च गुणवत्तापूर्ण तथा शिक्षार्थी - केंद्रक खुली एवं दूरस्थ शिक्षण प्रणाली हेतु एक सकारात्मक रोल मॉडल के रूप में राष्ट्रीय संसाधन केन्द्र के विकास को सुदृढ़ करेगा;
- देश में दूरस्थ शिक्षा के मानकों में सुधार के लिए व्यावसायिक क्षमताओं और संसाधनों को साझा करेगा;
- प्रभावी कार्यक्रम प्रदायगी हेतु वैश्विक पैठ के साथ, उभरती प्रौद्योगिकियों और पद्धतियों का उपयोग करके नेटवर्क का विकास करेगा;
- पहुंच एवं समता की चुनौतियों को पूरा करने के लिए शिक्षा की एक बुद्धिमत्तापूर्ण और लचीली प्रणाली प्रदान करेगा, और एक ज्ञान-पूर्ण समाज के विकास की दिशा में कार्य करेगा;
- वैश्विक सहयोग तथा भागीदारी के विकास हेतु सभी प्रणालियों को समान बनाएगा और राष्ट्र भर में निर्बाध शिक्षा हेतु कार्य करेगा;
- वंचितों को शिक्षा सुलभ कराएगा और जीवन का सामना करने वाले कौशलों के माध्यम से स्थानीय विकास हेतु सामुदायिक भागीदारी को बढ़ावा देगा;
- सेवारत व्यवसायियों को अनवरत व्यावसायिक विकास तथा कौशल उन्नयन हेतु विशिष्ट आवश्यकता-आधारित शिक्षा एवं प्रशिक्षण-अवसर प्रदान करेगा; और
- खुले एवं दूरस्थ शिक्षण सहित अग्रणी क्षेत्रों में ज्ञान के सृजन हेतु अनुसंधान और विकास की पद्धतियों तथा कार्य-नीतियों के निरंतर विकास की दिशा में प्रयास करेगा.

वर्षों से, अपने विविध कार्यक्रमों, कम लागत और एक व्यापक नेटवर्क के साथ, इग्नू समाज के सीमांतक वर्गों को शिक्षा प्रदान करने की देश की प्रत्याशाओं को पूरा करने में सफल हुआ है. देशभर में सभी कैदियों को निःशुल्क शिक्षा प्रदान की जा रही है. अजा/अजजा के छात्रों की बड़ी संख्या को विश्वविद्यालय के विभिन्न कार्यक्रमों में प्रवेश दिया गया है. वर्तमान में, एससीएसपी/टीएसपी अनुदान के अंतर्गत अजा/अजजा के बेरोज़गार शिक्षार्थियों-किसी अन्य स्रोत/एजेंसी से शुल्क में छूट/प्रतिपूर्ति नहीं ले रहे हैं, ऑनलाइन प्रवेश पोर्टल पर कार्यक्रम शुल्क के बिना एक प्रवेश प्रपत्र प्रस्तुत कर सकते हैं. ऐसे कार्यक्रमों तथा अन्य विवरण के लिए शिक्षार्थी इग्नू की वेबसाइट देख सकते हैं. विश्वविद्यालय हमारे समाज के सीमांतक वर्गों तक पहुंच बनाने हेतु अधिदेशित है. विश्वविद्यालय द्वारा उठाए गए मुख्य कदमों में वंचित समूहों से शिक्षार्थियों को आकर्षित करना परिकल्पित है :-

- अध्ययन केन्द्रों के नेटवर्क को जिला स्तर से ब्लॉक स्तर तक फैला कर पहुंच बढ़ाना;
- एसओयू एवं सीसीआई के साथ नेटवर्किंग और विभिन्न भू-भागों तथा अनऐसेसिबल क्षेत्रों में एक सकारात्मक पद्धति में आईसीटी का उपयोग करना;
- पूर्वोत्तर, झारखंड, उत्तरांचल, छत्तीसगढ़, ओडिशा में कालाहांडी, बोलंगीर-कोरापुट क्षेत्र, राजस्थान में जैसलमेर और बाड़मेर तथा अन्य कम साक्षरता वाले क्षेत्रों में विश्वविद्यालय की उपस्थिति को सुदृढ़ करना;
- निच-मार्केट कार्यक्रमों में हाशिए के समूहों (अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जन जातियों, दिव्यांग, महिला शिक्षार्थियों) को पंजीकृत करने हेतु विशेष अभियान चलाना;
- सफल मॉडलों से श्रेष्ठ प्रक्रियाओं की क्लोनिंग द्वारा दिव्यांग, जनजातियों और महिलाओं को शिक्षा सुलभता और अवसर प्रदान करने के लिए उभरती हुई एवं नवप्रवर्तित प्रौद्योगिकी का उपयोग करना;
- अपने कार्यक्रमों के विस्तार (आउटरिच) में वृद्धि करने हेतु राष्ट्रीय एजेंसियों तथा विभिन्न एनजीओ से सम्पर्क करना.
- इग्नू कार्यक्रमों में प्रवेश हेतु वंचित समूहों को सक्षम बनाने के लिए सरकारी तथा अन्य वित्त पोषक एजेंसियों के साथ विशेष छात्रवृत्ति, वृत्तिका एवं शुल्क से छूट योजनाएं स्थापित करना.

क्षेत्राधिकार, नेटवर्क, संगठनात्मक संरचना और शिक्षार्थियों हेतु लचीलेपन में विशिष्टता :

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय खुला विश्वविद्यालय (इग्नू) का क्षेत्राधिकार पूरे भारत और भारत से बाहर अध्ययन केन्द्रों पर है और इसलिए इसने पूरे देश में 56 क्षेत्रीय केन्द्रों (आरसी), 11 मान्यताप्राप्त क्षेत्रीय केन्द्रों (आरआरसी) (अर्थात 6 इग्नू-सेना आरआरसी, 4 इग्नू-नौसेना आरआरसी, 1 इग्नू-असम राइफल्स आरआरसी) और लगभग 3000 शिक्षार्थी सहायता केन्द्रों (एलएससी) के व्यापक नेटवर्क की स्थापना की है. क्षेत्रीय केन्द्रों एवं शिक्षार्थी सहायता केन्द्रों का व्यापक नेटवर्क वंचित ग्रामीण, दूरवर्ती, सामाजिक एवं भौतिकीय क्षेत्रों को एक लचीले रूप में गुणवत्तापूर्ण तथा लागत-प्रभावी उच्चतर शिक्षा सुलभ करा कर इग्नू की व्यापकता (आउटरीच) का विस्तार करता है.

अन्तर-विषयीय कार्यक्रमों का विकास करने के तथ्य को ध्यान में रखते हुए, विश्वविद्यालय अपने 21 अध्ययन विद्यालयों के माध्यम से अर्थात मानविकी, सामाजिक विज्ञान, शिक्षा, अनवरत शिक्षा, इंजीनियरी एवं प्रौद्योगिकी, प्रबंधन अध्ययन, स्वास्थ्य विज्ञान, कम्प्यूटर एवं सूचना विज्ञान, कृषि, विधि, पत्रकारिता, लिंग एवं विकास अध्ययन, विदेशी भाषा, अनुवाद अध्ययन तथा निष्पादन एवं दृश्यकला विषयों का संचालन करता है. इसके अतिरिक्त विश्वविद्यालय में छात्रों से संबंधित विभिन्न कार्यों की सहायता के लिए अनेक प्रभाग हैं यथा छात्र पंजीकरण प्रभाग (एआरडी), सामग्री निर्माण एवं वितरण प्रभाग (एमपीडीडी) क्षेत्रीय सेवा प्रभाग (आरएसडी), छात्र मूल्यांकन प्रभाग (एसईडी), और अन्तर्राष्ट्रीय प्रभाग (आईडी). इसके अलावा स्थापित छात्र सेवा प्रकोष्ठ, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, प्रोडक्शन केन्द्र, राष्ट्रीय विकलांगता अध्ययन केन्द्र, आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन केन्द्र, ऑनलाइन शिक्षा केन्द्र और कैम्पस प्लेसमेंट सेल भी हैं जो विशेषज्ञतापूर्ण सौंपे गए कार्य करते हैं.

(शेष पृष्ठ 2 पर)

इग्नू: शिक्षार्थी ...

(पृष्ठ 1 का शेष)

खुले अध्ययन की परम्परा में, इग्नू एंट्री योग्यता, स्थान, गति एवं अध्ययन की अवधि में छात्रों को पर्याप्त लचीलापन देता है.

- इग्नू द्वारा चलाए जाने वाले किसी भी कार्यक्रम में प्रवेश हेतु एंट्री योग्यता सांविधिक निकायों की आवश्यक सीमा के अंदर शिथिल की जाती है.
- शिक्षार्थी किसी भी स्थान (किसी कार्यक्रम के लिए सक्रिय किए गए एलएससी/आरसी) को छात्र सहायता सेवा के रूप में चुन सकते हैं, उसे पूरे भारत में किसी भी इग्नू परीक्षा केन्द्र से दीक्षांत परीक्षा के संबंध में उपस्थित होने हेतु अपनी पसंद का उल्लेख करना होता है.
- शिक्षार्थी अपनी सुविधानुसार अपनी गति के अनुसार अध्ययन कर सकता है, शिक्षार्थी दिन अथवा रात में किसी भी समय, धीरे-धीरे अथवा एक तीव्र गति से न्यूनतम अवधि (सांविधिक दिशानिर्देशों के अनुसार) अथवा अधिकतम अवधि (इग्नू द्वारा यथा दी गई अवधि) में अध्ययन कर सकता है.
- इग्नू में अध्ययन करने का सबसे अधिक महत्वपूर्ण एक पहलू यह है कि शिक्षार्थी को, यदि वह ऐसा चाहे अथवा उसका भारत में किसी अन्य स्थान पर स्थानांतरण हो जाए तो वह अपने क्षेत्रीय केन्द्र/अध्ययन केन्द्र को किसी भी मान्यताप्राप्त इग्नू क्षेत्रीय केन्द्र/अध्ययन केन्द्र में निःशुल्क परिवर्तित कराने की सुविधा प्राप्त कर सकता है.
- यदि छात्र कोई पाठ्यक्रम किन्हीं अपरिहार्य कारणों से न्यूनतम अवधि में पूरा करने में सक्षम नहीं होता है तो वह 2 वर्ष की अवधि का कोई मास्टर डिग्री कार्यक्रम 5 वर्ष में पूरा कर सकता है, 3 वर्ष की अवधि का स्नातक डिग्री कार्यक्रम (अर्थात् बीए/बीकॉम/ बीएसई) को 6 वर्ष में पूरा कर सकता है, 6 महीने का कोई प्रमाणपत्र 2 वर्षों में पूरा कर सकता है और 1 वर्ष का कोई डिप्लोमा 3-4 वर्षों में पूरा कर सकता है.

सम्पूर्ण गुणवत्ता प्रबंधन एवं प्रभावी छात्र-सहायता सेवाएं

पाठ्यक्रम समापन दर में सुधार लाने, शिक्षा बीच में छोड़ने की दर में कमी लाने, सतत, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने और तथा प्रणाली की साख में वृद्धि करने के लिए प्रभावी छात्र-सहायता सेवाएं एक महत्वपूर्ण पूर्वापेक्षा है, विश्वविद्यालय ने, सहायता सेवा को प्रभावी बनाने के लिए अनेक कदम उठाए हैं, जो निम्नानुसारहैः

- एक अधिक सक्षम डेटाबेस प्रबंधन प्रणाली का विकास करना.
- सम्मिलित डिग्रियां प्रदान करने हेतु पाठ्यक्रमों और क्रेडिट में छूट/अंतरण साझा करना.
- सार्वजनिक एवं निजी संस्थाओं तथा शिक्षा तथा प्रशिक्षण में व्यस्त गैर सरकारी संगठनों के साथ सम्पर्क को और सुदृढ़ करना.
- सभी अध्ययन केन्द्र एवं क्षेत्रीय केन्द्र पर्याप्त आईसीटी उपकरणों और अन्य अवसंरचना से लैस हैं ताकि वे त्वरित डेटा संचरण एवं पुनः प्राप्ति, सूचना साझा करने और शिक्षार्थी की समस्याओं के निवारण हेतु मुख्यालय से सम्पर्क कर सकें. ये सुविधाएं शिक्षार्थियों के साथ व्यापक सम्पर्क, प्रवेश में लगने वाले समय में कमी लाने, सामग्री के वितरण के समय में कमी लाने और परिणाम कम समय में घोषित करने के अवसर प्रदान करती हैं.
- सभी शिक्षार्थियों को अत्याधुनिक स्व-अध्ययन सामग्रियां (स्व-शिक्षा सामग्रियां) प्रदान की जाती हैं जो क्षेत्र में श्रेष्ठ विषय विशेषज्ञों की एक टीम द्वार तैयार की जाती है. विश्वविद्यालय में स्व-अध्ययन की मुद्रित सामग्री के स्थान पर उनकी सॉफ्ट कॉपी देने की व्यवस्था है. सॉफ्ट कॉपी लेने का विकल्प देने वाले शिक्षार्थी को कार्यक्रम-शुल्क में 15 प्रतिशत की छूट दी जाएगी. शिक्षार्थी को इस विकल्प का उल्लेख ऑनलाइन आवेदनपत्र भरने के समय करना होगा. ऐसे शिक्षार्थियों को मुद्रित स्व-अध्ययन सामग्री नहीं दी जाएगी.
- इंटरएक्टिव टेक्नोलॉजी मीडिएटेड कॉउंसिलिंग तथा प्रशिक्षण कार्यक्रम का उपयोग बढ़ाना; वर्तमान सत्र से इग्नू ऑनलाइन पद्धति के माध्यम से तीन ऑनलाइन प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम नामतः रूसी भाषा में प्रमाणपत्र (सीआरयूएल), अरबी भाषा में प्रमाणपत्र (सीएएल) और पर्यटन अध्ययन में प्रमाणपत्र (सीटीएस) प्रारंभ कर रही है.
- इग्नू प्रख्यात विशेषज्ञों से शिक्षार्थी समर्थन एवं ज्ञान दर्शन, ज्ञान वाणी तथा स्वयं प्रभा के पांच चैनलों के माध्यम से विभिन्न विषयों में सुविधाएं प्रदान कर रही है.
- इग्नू एक 24 घंटे शैक्षिक टीवी चैनल ज्ञान दर्शन तथा एक रेडियो प्रसारित ज्ञान वाणी चलाती है.

दो तरह की टेली-काउंसिलिंग, इंटरएक्टिव रेडियो काउंसिलिंग हेतु एवं शैक्षिक कार्यक्रमों को स्थानीय एफ.एम. रेडियो स्टेशनों के माध्यम से प्रसारित करने का प्रावधान है.

विश्वविद्यालय, सुलभता एवं समता की चुनौतियों को पूरा करने के लिए उभरती हुई प्रौद्योगिकियों का प्रयोग करके एक राष्ट्रीय नेटवर्क का विकास करने का प्रयास करेगा. शिक्षा की ऑनलाइन प्रदायगी को सुदृढ़ करने और आईसीटी-सक्षम शिक्षा तथा प्रशिक्षण के लिए समुदाय-आधारित बहुद्देश्यीय टेली-लर्निंग केन्द्रों की स्थापना करने पर बल दिया जाएगा. वेब-आधारित पद्धतियां व्यावसायिक, आवश्यकता आधारित, वोकेशनल तथा अन्य शैक्षिक कार्यक्रमों के लिए अध्यापन एवं अध्ययन प्रक्रियाओं की पूर्ति कर सकती हैं.

(लेखक इग्नू क्षेत्रीय केंद्र, नई दिल्ली से संबद्ध हैं. ई-मेल: vsinghal@ignou.in)

व्यक्त विचार व्यक्तिगत हैं.

(चित्र: गूगल के सौजन्य से)